

श्री कृष्ण अष्टोत्तर शतनामावलि

ॐ श्री कृष्णाय नमः
ॐ कमलानाथाय नमः
ॐ वासुदेवाय नमः
ॐ सनातनाय नमः
ॐ वसुदेवात्मजाय नमः
ॐ पुण्याय नमः
ॐ लीलामानुषविग्रहाय नमः
ॐ श्रीवत्सकौस्तुभ धराय नमः
ॐ यशोदा वत्सलाय नमः
ॐ हरये नमः
ॐ चतुर्भुजं जत यज्ञासिगदा शंभ्या धुदायुधाय
नमः
ॐ देवकी नंदनाय नमः
ॐ श्रीशाय नमः
ॐ नन्दगोपप्रियात्मजाय नमः
ॐ यमुना वेग संहारिने नमः
ॐ भलभद्रप्रियानुजाय नमः
ॐ पूतना छवितापहराय नमः
ॐ शकटसुरभंजनाय नमः
ॐ नन्द प्रण जना नन्दिने नमः
ॐ सख्येदानंद विग्रहाय नमः
ॐ नवनीत विलिप्तांगाय नमः
ॐ नवनीतपरहाय नमः
ॐ अनघाय नमः
ॐ नवनीत वाराहाय नमः
ॐ मुचुकुन्द प्रसादकाय नमः
ॐ षोडश स्त्री सहस्रेशाय नमः
ॐ त्रिभंगिने नमः
ॐ मधुरकृतये नमः
ॐ शुक्वागम्रुतब्धये नमः

ॐ गोविन्दाय नमः
ॐ योगीनाम्पतये नमः
ॐ वत्सवाट चराय नमः
ॐ अनंताय नमः
ॐ धेनुकासुरभंजनाय नमः
ॐ तृष्णीकृत तृष्णावर्ताय नमः
ॐ यमलार्जुन भंजनाय नमः
ॐ उत्तालतालभेत्रे नमः
ॐ गोपगोपीश्वराय नमः
ॐ योगिने नमः
ॐ कोटिसूर्य समप्रभाय नमः
ॐ र्छलापतये नमः
ॐ परन्भ्योतिषे नमः
ॐ यादवेन्द्राय नमः
ॐ यदूद्धहाय नमः
ॐ वनमालिने नमः
ॐ पीतवाससे नमः
ॐ पारिजातापहारकाय नमः
ॐ गोवर्धनचलोद्धर्त्रे नमः
ॐ गोपालाय नमः
ॐ सर्वपालकाय नमः
ॐ अजाय नमः
ॐ निरन्जनाय नमः
ॐ कामजनकाय नमः
ॐ कंजलोचनाय नमः
ॐ मधुघने नमः
ॐ मथुरानाथाय नमः
ॐ द्वारकानायकाय नमः
ॐ भलिने नमः
ॐ वृन्दावनांत संचारिणे नमः

ॐ तुलसीदाम भूषणाय नमः
 ॐ स्यमन्तक मणि हर्त्रे नमः
 ॐ नरनारायणात्मकाय नमः
 ॐ कञ्जाकृष्णांबरधराय नमः
 ॐ मायिने नमः
 ॐ परमपुरुषाय नमः
 ॐ मुष्टिकासुर चाणूर मल्लयुद्ध विशारदाय
 नमः
 ॐ संसारवैरिणे नमः
 ॐ कम्सारिये नमः
 ॐ मुरारिये नमः
 ॐ नरकान्तकाय नमः
 ॐ अनादिब्रह्मचारिणे नमः
 ॐ कृष्णाव्यासनकर्शकाय नमः
 ॐ शिशुपाल शिरश्छेत्रे नमः
 ॐ दुर्योधन कुलान्तकाय नमः
 ॐ विदुराकूर वरदाय नमः
 ॐ विश्वरूप प्रदर्शकाय नमः
 ॐ सत्यवाये नमः
 ॐ सत्यसंकल्पाय नमः
 ॐ सत्यभामारताय नमः
 ॐ जयिने नमः
 ॐ सुभद्रापूर्वजाय नमः
 ॐ विष्णवे नमः
 ॐ भीष्म मुक्ति प्रदायकाय नमः
 ॐ जगद्गुरवे नमः

ॐ जगन्नाथाय नमः
 ॐ वेणुनाद विशारदाय नमः
 ॐ वृषभासुर विध्वंसिने नमः
 ॐ आणासुरकरान्तकाय नमः
 ॐ युधिष्ठिर प्रतिष्ठात्रे नमः
 ॐ बर्हिर्बर्हावतंसकाय नमः
 ॐ अच्यक्ताय नमः
 ॐ पार्थसारथये नमः
 ॐ गीतामृत महोदधये नमः
 ॐ काणियङ्गि माणिक्य रंजित श्री पदांबुजाय
 नमः
 ॐ दामोदराय नमः
 ॐ यज्ञभोक्त्रे नमः
 ॐ दानवेन्द्र विनाषकाय नमः
 ॐ परब्रह्मणे नमः
 ॐ नारायणाय नमः
 ॐ पन्नगाशन वाहनाय नमः
 ॐ जलक्रीडा समा सक्त गोपी वस्त्रापहरकाय
 नमः
 ॐ पुण्यश्लोकाय नमः
 ॐ तीर्थपादाय नमः
 ॐ वेदवेद्याय नमः
 ॐ दयानिधये नमः
 ॐ सर्वतीर्थात्मकाय नमः
 ॐ सर्वग्रहृपिणे नमः
 ॐ परात्पराय नमः

ॐ श्री कृष्ण अष्टोत्तर शतनामावलि संपूर्णम्